(ख) उन अधिकारियों के नाम तथा पद नाम क्या हैं जिनके विरुद्ध शिकायतें प्राप्त हुई थीं और उनके सम्बन्ध में किस किस्म की कार्यवाही की गई है ?

त्रिधि तथा समाज कल्याण और रेलवे मन्त्री (श्री गोविन्द मेनन) : (क) कोई नहीं ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

स्वास्थ्य के आधार पर पश्चिम रेलवे में टिकट कलेक्टरों और संगचल टिकट परीक्षकों के रूप में रेल कर्मचारियों की नियुक्ति

3239. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री ओंकार सिंह :
श्री स्वतन्त्र सिंह कोठारी :

क्या **रेलवे** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिम रेलवे के विभिन्न विभागों के कितने कर्मचारियों को गत तीन वर्षों में स्वास्थ्य के आधार पर टिकट कलेक्टरों और संगचल टिकट परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया ;

(ख) क्या सरकार ने इन कर्मचारियों की यह देखने के लिए कि कहीं ये लोग रोग अथवा अशक्तता से पीड़ित तो नहीं हैं, अच्छी तरह जांच करवा ली है ;

(ग) क्या यह सच है कि टिकट कलेक्टरों और संगचल टिकट परीक्षकों के पदों पर इस प्रकार नियुक्त कर्मचारियों ने अपने वेतन क्रम के अनुसार पदोन्नति की मांग की है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि इस शाखा में उनकी नियुक्ति होने के बाद टिकट कलेक्टरों और संगचल टिकट परीक्षकों की पदोन्नति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ;

(ङ) क्या यह भी सच है कि इन कर्मचारियों के शारीरिक रूप से स्वस्थ हो जाने पर उनके मूल विभागों में स्थानान्तरित नहीं किया जाता ; और

(च) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

त्रिधि तथा समाज कल्याण और रेलवे मन्त्री (श्री गोविन्द मेनन) : (क) 70

(ख) जी हां ।

(ग) और (घ). उस संवर्ग में तैनात किये जाने के बाद उनकी वरिष्ठता उसी संवर्ग में निर्धारित की जाती है और वे इस संवर्ग के अन्य कर्मचारियों के साथ और पदोन्नति के लिए विचार किये जा सकने के पात्र हो जाते हैं ।

(ङ) और (च). इस संवर्ग में समाहित होने के बाद अपनी मूल कोटियों से वे अपना सम्बन्ध विच्छेद कर लेते हैं । सामान्यतः पुनः स्थानान्तरित करने का प्रश्न नहीं उठता ।

पश्चिम रेलवे में टिकट कलेक्टरों और संगचल टिकट परीक्षकों के लिए क्वार्टर

3240. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री ओंकार सिंह :
श्री स्वतन्त्र सिंह कोठारी :

क्या **रेलवे** मन्त्री 29 अप्रैल, 1969 के अतारांकित प्रश्न संख्या 7980 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय पश्चिमी रेलवे में कुल कितने टिकट कलेक्टर और संगचल टिकट परीक्षक कार्य कर रहे हैं ; और उनमें से कितने लोग रेलवे क्वार्टरों में रहते हैं ;

(ख) उपरोक्त श्रेणियों में से कितने कर्मचारियों ने रेलवे क्वार्टरों के लिए आवेदन पत्र दिये हैं ;

(ग) सरकार ने टिकट कलेक्टरों और संगचल टिकट निरीक्षकों के लिए कितने प्रतिशत रेलवे क्वार्टर आरक्षित किये हैं ;

(घ) क्या ये आरक्षित क्वार्टर सम्बन्धित व्यक्तियों को ही आवंटित किये जा

और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

विधि तथा समाज कल्याण और रेलवे मन्त्री (श्री गोविन्द मेनन) : (क) 2454, जिनमें से 249 रेलवे क्वार्टरों में रह रहे हैं।

(ख) 367

(ग) कोई प्रतिशतता आरक्षित नहीं की गयी है।

(घ) और (ङ). सवाल नहीं उठता।

गुड़सहायगंज और खुदागंज रेलवे स्टेशनों के बीच कानपुर-फर्रुखाबाद यात्री गाड़ी का लूटा जाना

3241. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री बंश नारायण सिंह :
श्री श्रीचन्द गोयल :
श्री रामावतार शास्त्री :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि फर्रुखाबाद जाने वाली कानपुर-फरुखाबाद यात्री रेल-गाड़ी की तीसरी श्रेणी के डिब्बों को गुड़सहायगंज और खुदागंज रेलवे स्टेशनों के बीच लूटा गया था ;

(ख) सरकार को प्राप्त सूचना के अनुसार अनुमानतः कितना नकद और कितनी मूल्य की सम्पति लूटी गई थी ; और

(ग) सरकार का भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाने का विचार है ?

विधि तथा समाज कल्याण और रेलवे मंत्री (श्री गोविन्द मेनन): (क) जी हां।

(ख) इसमें नकदी को मिलाकर लगभग 4,300 रुपये कीमत की सम्पति लूटी गयी थी।

(ग) (1) इस संबंध में सरकारी रेलवे पुलिस स्टेशन फर्रुखाबाद में एक मामला दर्ज किया गया है और जांच-पड़ताल हो रही है।

(2) महत्वपूर्ण स्टेशनों पर निगरानी रखने और अपराधियों और समाज विरोधी तत्वों को पकड़ने के लिए आवधिक छापे मारने जैसी सरकारी रेलवे पुलिस की सामान्य व्यवस्था को और कड़ा करने के अलावा उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार पुलिस ने सुरक्षा के अतिरिक्त उपाय अपनाये हैं जिनके अन्तर्गत रात की महत्वपूर्ण यात्री गड़ियों में पुलिस साथ चलती है और प्रभावित क्षेत्रों में हथियार बन्द पुलिस गश्त लगाती है या वहां विशेष टुकड़ियां रखी जाती हैं।

(3) यार्डों या स्टेशन प्लेटफार्मों पर तैनात रेलवे सुरक्षा दल के कर्मचारियों को सख्त हिदायतें जारी की गयी है कि वे रेलवे सम्पत्ति की हिफाजत करें और यदि रेल कर्मचारियों या यात्रियों आदि पर हिंसात्मक हमला हो तो अपराधस्थल पर तत्काल पहुंचे और पीड़ित व्यक्तियों की हर सम्भव सहायता करें।

Promotion of Commercial Clerks as Commercial Inspectors on Railways

3242. SHRI ONKAR LAL BERWA :
SHRI CHANDRIKA PRASAD :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) the channel of promotion for the Commercial Clerks in their own cadre and as Commercial Inspectors on the Indian Railways ;

(b) whether the channel of promotion of Commercial Clerks differs on different Railways ;